

प्रेषक,

ललित मोहन आर्य,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड,
रूडकी, हरिद्वार

औद्योगिक विकास विभाग

देहरादून : दिनांक : 27 नवम्बर, 2013

विषय:- वित्तीय वर्ष 2013-14 में राजकीय मुद्रणालय, रूडकी हेतु अनुपूरक बजट की धनराशि अनुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 668 /XXVII(1)/2013, दिनांक 08 अक्टूबर, 2013 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 1100/VII-1/06-रा0मु0/2013, दिनांक 30 मई, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में राजकीय मुद्रणालय, रूडकी अधिष्ठान व्यय हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित ₹600 हजार (रुछ: लाख मात्र) की धनराशि अलॉटमेंट आई0डी0-S1311230302 दिनांक 27 नवम्बर, 2013 के अनुसार निम्न प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा, एवं प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा, तथा नियमित रूप से यदि सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 284/XXVII (1)/2013, दिनांक 30 मार्च, 2013 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2014 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

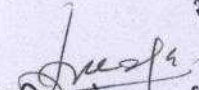
5- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय मात्र उन्ही मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

6- उक्त चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण, 00-आयोजनेत्तर-104-अन्य साधनों से मुद्रण की लागत, 03 छपाई की लागत-42-अन्य व्यय अंतर्गत उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 668/XXVII(1)/2013, दिनांक 08 अक्टूबर, 2013 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे है।

संलग्नक:-आई0डी0-S1311230302 दिनांक 27 नवम्बर, 2013

भवदीय,


(ललित मोहन आर्य)
संयुक्त सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 2708(1)/VII-1/91-ख/2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- ✓ 2. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
3. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुडकी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एन0एस0डुगारियाल)
अनु सचिव।